मेरठ, गाजियाबाद, लखनऊ एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 72 साल वां

स्थापित 1944

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

कैलिफ़ोर्निया में वाइल्डफायर एक चिंगारी का सबब : वैज्ञानिकों की सोच

लखनऊ। प्रभात

पिछले 13 नवम्बर, 2018 को कैलिफ़ोर्निया के जंगलों में भयंकर जानलेवा आग लगी जो साधारण रूप मे जंगल कई निचले स्थान पर जैसे एक फ्लैट टायर या सिगरेट बट के जलने से शुरू हो सकती हैं। वह एक चिंगारी, जो कि सूखे.सूखे पेडॉ व पत्तों वाले जंगलों मे और गरजती हवाओं के साथ ऐसा सब हो सकता है। इसकी शुरुआत होने से ही तबाही का सामना करना पड़ता है। एक बार आग लगने के बाद गर्मी बढ़ती हैए ऑक्सीजन की अधिकता से और ईंधन जो सूखे पेड़ए ब्रशए आदि के संयोजन होने सें ही ऐसी विस्फोट स्थिति पैदाकर सकता है। कैंप फायर अपनी ऊंचाई परए 60 फुटबॉल फ़ील्ड के आकार मे प्रतिमिनट के दर सेंजल रहा था। यह आग कैलिफोर्निया राज्य में सबसे घातक और सबसे विनाशकारी है।

पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास में, लगभग बिजली के तड़कने व उसके गिरने से इस प्रकार की आग जंगलों मे शुरू हुआ करती थी। अब मनुष्य इस घटनाक्रम के लिये जिम्मेदार हैं जिससे भीषण आग जंगलों में लग रही है ।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज एक विस्तृत अध्ययन के उपरांत प्रकाशित की गई एक वर्ष 2017 रिपोर्ट के अनुसार यूएस में लगभग 84 प्रतिशत भयावह अग्निअकांण्ड (वाइल्ड फायर) लोगों द्वारा शुरू किए पाये गये हैं। जैकब बेन्डिक्स जो ज्योग्राफर सिराक्यूज़ यूनिवर्सिटी में हैए ने बताया कि गर्म, शुष्क मौसम इस साल की गर्मी और पिछले दो महीनों में, जलने वाले क्षेत्रों में इस साल सामान्य से कम वर्षा होना तथा औसत आर्दता मे कमी का भी अनुभव एक कारक रहा है। यूसीएल के जलवायु वैज्ञानिक डैनियल स्वैन ने कहा कि उत्तरी कैलिफोर्निया में इस वर्ष शरद ऋतु की वर्षा की विशिष्ट मात्रा कहीं भी प्राप्त नही हुई थी जो कैम्प फायर बिंदु के आस.पास मात्र 4.5 इंच ही बारिश रिकार्ड हुईए जिससे विस्फोटक आग के गोले वातावरण में निश्चित रूप से त्रासदी उतपन्न किये है। स्वैन अनुसार, इस वर्ष पूरे राज्य में सिएरा नेवादा क्षेत्र (कैम्प फायर स्थान) के पास औसत से ऊपर का रिकॉर्ड पाया गया और सबसे अधिक गर्मी का अनुभव हुआ था। सम्वेदनशील जमीन में क्या शहर का विस्तार (वाइल्डलैंड मे शहरी इंटरफेस) जिम्मेदार है।

दक्षिण और पूर्व में भीषण तूफानों के कारण इस वर्ष की आग बहुत अधिक प्रभावी रही है। विकास की दौड़ मे हमने जोखिम वाले क्षेत्रों में अधिक घरों को बनाकर जंगल को अधिक महंगा और खतरनाक बना दिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो के भूगोलवेत्ता जेनिफर बाल्च ने साधारण और सहज भाषा मे कहा कि हम आग की लाइन में अधिक घरों का निर्माण कर रहे हैं।

कुल मिलाकर 2010 तक वैज्ञानिकों ने बताया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 43 मिलियन घरों का निर्माण वाइल्डलैंड.शहरी इंटरफ़ेस में बनाया गया है । यह वह क्षेत्र है वाइल्ड फायर जोन के रूप में परिभाषित किया गया थाए जहां पर आवासीय घर जंगली वृक्षों या पेड़ों और झाड़ियों के साथ या उसके आसपास बने होते हैं। बीस साल पहलेए उन क्षेत्रों में 31 मिलियन घर थे अब इनमें 41 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है।

एक बहस

प्रो. भरत राज सिंह महानिदेशक, (स्कूल आफ मैनेजमेन्ट लखनऊ)

जलवायु परिवर्तन क्या इसके लिये जिम्मेदार है

मनुष्य केवल आग शुरू नहीं कर रहे हैंए हम भी ग्लोबल वार्मिंग के माध्यम से उनकी गंभीरता को खराब कर रहे हैं, विशेष रूप से पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में। बेंडिक्स ने कहा कि कैलिफ़ोर्निया में जलने वाले वाइल्डफ़ायर एक याद दिलाते हैं कि हमारी बदलती जलवायु और मौसम भयावह आग के लिये शक्तिशाली चालक हैं। स्वैन ने कहा, कैलिफ़ोर्निया दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी से जूझ रहा है। मौसम बाकी साल अपेक्षा आग के कारण अधिक गर्म हो रहा है। जलवायु परिवर्तन कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ने से होता है जो जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न होती हैं। ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल में निर्मित होती हैंए वातावरण को गर्म करती हैं धरती ग्रह भीं गर्म हो रहा हैं। बढ़ते तापमान से घास और ब्रश सूख जाते हैंए जिससे उन्हें प्रज्वलित करना आसान हो जाता है। मजबूत हवाएं जैसे कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में कुख्यात सांता अनस तेजी से आग को स्थानांतरित कर सकते हैं और अपने आकार में वृद्धि कर सकते हैं।

बड़ी आग अधिक आम हो रही है कैलिफ़ोर्निया में जलाए गए एकड़ के संदर्भ में राज्य के 20 सबसे बड़े वाइल्डफायर में से 15 ;पंद्रहद्धए कैलीफायर के अनुसार 2000 के बाद से हुए हैं।

बाल्च ने कहा, जलवायु परिवर्तन और जंगल की आग के बीच लिंक को अनदेखा करना जान और संपत्ति को खतरे में डालना है। मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जोनाथन ओपेक ने चेतावनी दीए जब तक पश्चिम से बाहर जा रहा है, तब तक दुनिया भर में (पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका सहित) हिट होने वाला हैए जब तक कि हम जीवाश्म ईंधन पर अंकुश नहीं लगाते।

सुझाव : उपरोक्त अध्ययन से एक बात यह उभर कर आती है कि भारतवर्ष मे वैदिककाल से ही अधिक से अधिक आवादी यातो जंगलो के आस.पास या गावो मे जहा बाग.बगीचे अधिक रहे हो जहा नदी के किनारे पानी की प्रचुर मात्रा की उपलब्धता रही थीए वही रह. रहे थे । इससे एक बात साफहोती है कि. जीवन के लिये श्शुद्ध जल व शुद्ध हवाश् की नितांत आवश्यकता को देखते हुये ऐसी व्यवस्था रही होगी । ऐसा नही था जंगलो को ही बडा किया जाता रहा हो जैसा अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया मे हुआ है जिसमे अब शहर की एक तिहाई घरो की आबादी अर्थात 43 मिलियन घरों की संख्या अब वाइल्डलैंड.शहरी इंटरफ़ेस में पहुंच गई।

दूसरी बात यह है कि. अब पूरे विश्व की आवादी भी 670 करोड़ सौ अधिक हो गई है लोगो के खद्यान की समस्या की पूर्ति के लिये एक तरफ छोटे दृछोटे देशो मे जंगलो को समाप्तकर कर खेती योग्य भी बदल दी गई है जिससे जलवायु मे भी असंतुलन पैदा हो गया है और वैश्विक तापमान बढ़ रहा है जिसका परिणाम विभीषिका का रूप लेकर भीषण वर्षाए ओला वृष्टिए तूफ़नए ज्वाला मुखी का फटनाए आदि.आदि से जनजीवन धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है।

हमें अपनी पुरानी परम्परा को वापस लानए के लिये कमर कसना होगा। देहात के गाव से लेकर शहर के आवासीय जनजीवन को सुरक्षित करना होगाए जिसका विकल्प केवल गाव मे ही बाग.बगीचो को बढानाए तालाब आदि को पुनर्स्थापित करना ही नहीं, शहरों को भी इसी रूप मे बदलना होगा। पार्कों से ही नही काम चलेगा इसे छोटा जंगल का रूप देना होगा और आवादी उसके चारो तरफ बढानी होगी। इसका एक विश्वव्यापी अभियान चलाना होगा तभी हम अपनी धरती के जीव-जंतुओ और अन्य धरोहरो को वापस विकास की इस दौर में पुनर्स्थापित कर पायेंगे।